



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1154589

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Harishankar Gansan

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

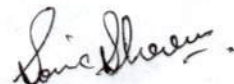
तारीख
Date

25/08/1996

निबंध ESSAY

केंद्र

Centre VISION IAS, 34
PUSA ROAD
DELHI


निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - A / SECTION - A

उम्मीदवारों को इस भाग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

A MIND ALL LOGIC IS LIKE A KNIFE
ALL BLADE,
IT MAKES THE HAND BLEED THAT USES IT.

What happens when the epitome of logic, a Nobel laureate for physics, meets the epoch of philosophy and humanism, a Nobel laureate in literature? The year was 1930, when Guruji Rabindranath Tagore met the scientist Albert Einstein in Germany. Naturally, they had an argument on the limitations of logic.

As per Einstein, science and rationality held that everything in this

universe existed independently. Human Perception and emotion did not affect on the logical reality, he extolled.

Tagore disagreed, To him, the logical world made sense only when seen from the humanistic sight.

A waterfall is merely water falling from a height, unless human emotion sees beauty in it. Later, Tagore

prophesized "A MIND ALL LOGIC IS LIKE A KNIFE ALL BLADE, IT MAKES THE HAND BLEED THAT USES IT."

Years later, when the atom bombs, a brainchild of Albert Einstein, caused widespread destruction, Einstein seemed to agree to the limitations of logic. Human logic, which pathbreakingly created energy from mere atoms, had bled humanity and left deep scars and wounds.

A logical mind is one of the inherent human traits that separate us from our tree swinging cousins, the apes. We are able to connect cause and effect, understand impacts of our actions and scientifically understand phenomenon around us.

This ability has generally served humans well. Logic invented the wheel, domesticated animals, grew plants at will in agriculture and made machines to ease our lives. However, somewhere along this trust with rationality we seem to have forgotten another inherent trait - humanity.

We live in an era where the calculative utilitarianism of logic is reigned supreme. The logic that each

person should prioritise "maximum pleasure and minimum pain" has bled our society beyond repair. Oxfam's alarming report "Time to care" brings out that 1% of the population owns 40% of the wealth. The national capital markets have clearly harmed the social capital of our world by eroding equality.

Interestingly, not even those who are front-runners in this race of rationality are truly happy. The "hustle culture", where the logic of wealth by backbreaking work is celebrated has taken a toll on human health. As per WHO (World Health Organisation), the single minded pursuit of logic improvement is a liability towards our mental health. It bleeds our peace of mind.

Such courses of logic are bound to increase the tool is overused. The most dark shade of this overuse is when logic is used to rationalise destruction. Adolf Hitler was moved by Nietzsche's logic of "Super Human". Survival of the fittest and the strongest race would alleviate humanity, he prophesied. Hitler armed with this mindful of egoistic logic, sought to eliminate Jews, disabled people and weak people in his Holocaust. A mindful of the wrong logic can cause immense havoc and pain.

A life without compassion and only scientific thought, keeps us away from using logic for the greater good of humanity. Dr. APJ Abdul Kalam mixed his logical mind with his empathy for the disabled. He used his knowledge of space material to develop light callipers

for polio affected children. When the proportions of scientific temper and humanistic altruism are mixed in right proportions, such magic happens.

The other way in which logic bleeds our hands is by limiting our experience. We develop the illusion of knowledge. Think, can we really know the colour, sweetness and flavour of an apple by merely reading about it? By excessively focusing on logic alone we unfairly deny ourselves the beauty of experience.

Such priority to rationality alone mums our capability of imagination too! Every invention of our world has first been imagined and only then been logically forged. The aircraft for instance was drawn by Leonardo Da Vinci much before

The Wright brothers rationally used aerodynamics to create a model.

Wealth of reason without the tools of imagination and wonder are of limited use.

“Logic can take you from

A to B,

Imagination can take you

anywhere.”

-ALBERT EINSTEIN.

Rationality is a potent means to clarity. We can neatly compartmentalise phenomena to understand them. This boon, however, turns to a bane when the call of situation is indomitable will rather than logical skill. When Elon Musk faced three bankruptcy's in his quest for space, reason would have him drop the venture. Yet, it is the human will of “never say die”, that

powered his perseverance to success.

The limitation of a logical mind is that it can also rationalise failure. When we face defeat, instead of introspecting, we find reasons to attribute our ~~to~~ losses. Unable to reach the grapes and fruits of labour, we call them sour instead of trying again.

Excess Reason also bestows an air of humanistic egoism. We are unable to concede that there are aspects which may never be able to understand. It is due to this blind pursuit of logic that the earth faces anthropocene of human extinction threat today. For centuries we dug the chest of earth for resources and burnt the forests, paying no heed to the experience of our tribal brothers. Had human taken the

emotional, but not so rationally narcissistic approach of African Ubuntu Philosophy

"We are therefore I am", would we have faced the climate threat today?

A narrow approach to life tilted towards logic is unsustainable.

But is such mindful pursuit always bad?

Rationalist and philosopher, Voltaire and his compatriot Rene' Des-Cartes would disagree. They held that

"Cognito ergo sum" i.e. I think therefore I am. They held the counterview that if we think deeply enough, logic can alone uncover all truths of world.

It is true that rationality as mentioned by these thinkers

enlightens our minds. However, it is only when the blade of logic is used

for the right cause does it yield the intended impact. Voltaire for instance utilised his logical arguments to further the cause of women empowerment and freedom of speech. Like a two edged sword, logic is constructive only so long as it is wielded in the right direction.

The answer thus, is not to "turn back the wheel" on scientific thought, but to blend rationality with humanity. Learned Buddha advocated the juxtaposition of Prajna (logic and knowledge) with Karuna (compassion).

The civil services of the day would do well to realise the above teaching. There is a need to move from mere rule based rational objectivity to a more holistic ethics of care as

coined by Lord Gelliam.

Even in the pursuit of excellence and knowledge, we would do well to realise the Golden mean of Aristotle. Aristotle held that logos alone is insufficient. Logos (logic) must be supplemented with pathos (emotions) and ethos (ethical being).

In the wielding of reasoned action, we must also ingrain the theory of Bounded Rationality as proposed by Herbert Simon. This exposes the limitations of human logic in making decisions. We can not rely on complete analysis of all outcomes to make choices. Simon proposes a blend of behavioural understanding and rational theorising.

The human quest for putting to use the sole faculty of logic is understandable. We are after all, the first beings to possess this power!

A logical approach however would be to carefully wrap this blade of logic in the handle of care, ethics, altruism and compassion.

If we do not heed this way, we may be undone by our own mind. While it may be logic that differentiates man and animals, it is humanity that separates man and machine. Not giving due respect to our softer side of emotions may make us redundant in face of our own logical inventions like Artificial intelligence. For posterity, let us embrace the heart of a poet like Tagore and the mind of a scientist like Einstein Aike!

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को इस क्षण में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

KEEP YOUR FACE TO SUNSHINE
AND YOU CANNOT SEE A SHADOW

At the age of 28 years, a single mother with a failed marriage and an infant child, lived in London. She was as poor as poor can be, without being homeless. She had a big idea to write a fantasy novel for children but was turned away by all publishers. Yet, each day, each hour, each minute she dreamed only of success and filled her heart with the sunshine of optimism.

We are talking about none other than JK Rowling, world renowned author and feminist, who sprung from shadows of despondence to the glistening life of fame. She would later remark that even in the darkest days she never faced away from the light of belief in her own skill.

Rowling's life is the perfect metaphor to describe the mantra of facing the sunshine to leave behind the shadows. The glory of life once embraced makes any doubts redundant.

The ancient Hindu concept of Rajas and Tamas are beautiful reminders of the choice every human being has. Rajas - a light filled life of goodness or Tamas - a faltering life of darkness. This choice is available

to each one of us.

Rajas ~~is~~ based life is one which embraces the sunshine of optimism, right action and positive perception. Thus, the proverbial sunshine which eliminates the shadows can be sought both intrinsically and extrinsically.

Harnessing the energy of the soul towards positivity is proposed by Buddha as "Atma Deepo Bhava".

When we enlighten ourselves with knowledge and love, shadows of Dukkha (sorrow), lust, greed are expelled from our self.

This approach of finding sunshine within oneself was supported and lived by Mahatma Gandhi. In his theory of "Ahimsa" Gandhiji proposes

love even for one's worst enemy. Instead one should look at the positive aspects of the oppressor and view him/her as a patient. Once we embrace this path of light, the hatred our enemy has reduces while their respect for us is enhanced.

Inner light is also found in the power of human optimism. One overcomes the feeling of loss and treats the shadows of setbacks as catalysts for comebacks. Who better an example than five time NBA champion Michael Jordan who said

"900 times I have missed the basket

300 times I have lost the game

26 times I have been asked to take the final shot and missed,

I have failed again and again, that is why I succeed!"

Like Jordan, all performers face pangs of self doubt and failure. They are champions, however, because they tap the inner sunshine to learn from their mistakes.

Many a times, it takes the power of mindset to understand and differentiate sunlight from darkness itself!

In Mahabharata, Yudhishtira for instance was the only Pandava who saw the dog accompanying them to heaven as a companion. The dog turned out to be none other than Yamaraja. ~~Only~~ Yudhishtira, who saw the face of sunshine was allowed to enter the gates of heavens.

There are times when situations surrounding us may be beyond our capacity of change. Even in such desperation, we can always

do the best we can! I think, what would have happened, if Anne Frank had not recorded the ~~the~~ happenings of Nazi Germany in her journal? She saw the joy of living even in her dark closet, shedding light for posterities on the evil Nazi German regime.

As discussed hitherto, the sunshine of a spotless mind internally enlightened is the most bright. There also exists the need to seek light externally, in others and in situations.

The power of enlightenment emanating from a Guru or mentor helps leave behind our shadows. Every Plato needs a Socrates, every Arijuna needs a Krishna, and every Abdul Kalam needs a Vikram Sarabai and Satish Dhawan.
When we stand on the shoulders of giants, we are able to rise beyond the

Shadows of fear and ambiguity. We are able to see far, facing the sun of knowledge and righteousness.

We must also harness this approach in choosing our companions. A positive circle rubs off on the individual imparting the virtues of the environment. This is the reason, for Buddha including Sangha in his three truths. The right Sangha (group) is like a symbiotic relationship where one can absorb the lustre of others.

The need of not only looking at the bright side but also burning bright like the sun for enlightening others is to be emphasised. Thomas Edison leading a group of scientists was once informed about a fire in his laboratory. At once he exclaimed.

6. Thank God, all our failures are
brent!. The fellow scientists were
relieved and progressed with new
found enthusiasm. Such should be
a leader, the face of light in adversity,
giving self belief the team that s/he
leads.

We must not, however, be
ignorant in the name of optimistic
living. One such peril is the ignorance
towards depression. When the clouds
of distress become a reality, it is good
idea to seek support rather than turning
a blind eye to the shadow. In such
situations, medical and social support
itself is the bedrock of helping yourself.

Similarly, the climate change
denial syndrome, one among whose
followers is Donald Trump, must accept
the shadows of global warming. We need

a pragmatic approach rather than merely facing the sunshine of growth to be able to prevent a climate catastrophe.

The millennials of the day also tend to keep their faces to sunshine on the world wide web of lies. "Fake Positivity" is the perfect recipe for unfair expectations from life while ignoring the harsh realities of life.

Thus, there is a need to balance the optimism of bright light with the realism of existence of shadows. However, this should not demotivate us. Only where there are shadows and darkness does the quality of brightness of light appear in full glory.

As a nation, this would translate for India to face to the sunshine and self-confidence of PanchPran. Let us harness our internal strength of demographic dividend to cast away shadows of human development lag. If each one can teach one, will not the darkness of illiteracy lift off? If the youth harnesses its energies towards social betterment, who can stop India from becoming a developed country? Let us face the sun, and toil, we are the Bharat Bhagya Vidhata.

To see the silver lining over dark looming clouds, face the disinfecting sunshine of knowledge and toil in the harsh beaming rays of sunshine are difficult. It is not a cakewalk to practise. But if there is one thing that JK Rowling's book "Harry

Potter teaches us, it is that magic can happen only if we use the right spell. The spell to a brighter future devoid of deep shadows of human life lies in the following mantra alone →

"When the waves
of despondence,
wash the shores of
the mind,
In the light of optimism,
Strength you shall
find,
Even when the shadow
of adverse tide,
faces you, just look
at the bright side

(SELF COMPOSED)

उम्मीदवारों को
इस हार्जिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

AMIND ALL LOGIC IS LIKE A KNIFE ALL BLADE,
IT MAKES THE HAND BLEED THAT USES IT.

Intro → Tagore and Einstein 1930 → more existence → Human perception
 ↳ Einstein later - "Logic can get you from A to B, imagination can take you anywhere". Tagore's humanism and called it the foundation of his ethical thought.

why → - how - what

- 1) Time immemorial → focus on logic - "Voltaire"
- 2) how →
 - ↳ 1) limits our experience [Mary's room. by Frank Jackson - owl]
 - ↳ 2) Not everything
 - ↳ 3) Utilitarianism vs deontological [calculate ethically] → Nuclear bombs
- ↳ Compartmentalized Rationalise future.
- a) Rationalist
- ↳ 4) Lack of compassion → of everything
- ↳ 5) Lack of imagination →
- ↳ 6) Egotistic pursuit →
- ↳ 7) Analysis until paralysis → Buridan's ass which logically torn.
- ↳ 8) Tyranny of logic - overconfidence
- 3) what → "Poet's →"

Economic → logic against Pelon these quest → - choice ↳ bankruptcy

Economic → Specialised and cogs in a wheel → Adam Smith of but compassionate Capitalism

↳ Ethical egoism of anthropocentric

↳ got it took years to realise "earth is"

↳ Fw Taylor "Scientific management" VIS the Google, Haush

↳ Social → Adolf Hitler and Nietzsche's "Superhuman" - rational of natural selection ↳ heuristics and is dead

↳ Tech → AI ↓

↳ ethics in AI? ↳ A poem for your mother

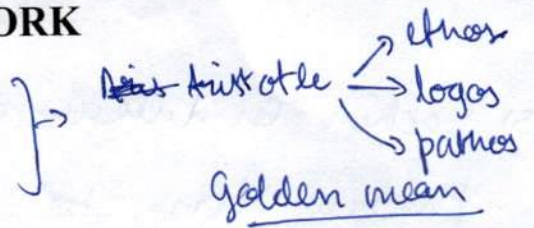
ALL INVENTIONS ARE FIRST IMAGINED THEN

- 4) How →
 - ↳ No awe and wonder
 - ↳ Simplifies complex ideas
- 5) Adverse →
 - ↳ No logic → customary morality
 - ↳ Voltaire → humanist and logical
 - ↳ Logic is essential
 - ↳ ability to think and connect. gives ↳ separates us from tree swinging chimps
 - ↳ Enlightenment

SPACE FOR ROUGH WORK

→ Rakeshraman Jayore → "where the"

- Bounded Rationality
- Karma and Prayna of Buddha.
- Blend with humanity.



Human urge to indulge in logic.

KEEP YOUR FACE TO SUNSHINE
AND YOU WOULD NEVER SEE A SHADOW
JK Rowling.

Introduction → Amnesty

Conclusion →

The power of optimism

→ look at good in people → while

↳ Mahabharata → Yudhishtira and
dog

↳ Situations within positivity

↳ Anne Frank "Diary of young girl"

↳ For every one - Hitler

Gandhi's theory of ahimsa →
love even thy enemy.

When the lab

"good, thank god, all our failures
are least,

~~Postat.~~

SPACE FOR ROUGH WORK

- 5) Sachin Tendulkar optimism → when people throw stones, ~~to~~ you make milestones.
- 6) ~~Bright~~ Rajas and Tamas ethical concept → what we these is over.
- 7) Mental illness → " "
- 8) Greater view → "fake positivity" → Nicholas Carr "What Internet does to our brains"
- 9) Social →
- 10) Sunshine is the best disinfectant → not even our own badness → Angulimala.
- 11) Shadow falls behind us → Anna deeps Bhava
- 12) what is sunshine → perception
→ good people → Sangha
→ right queue → ignore agent
- 13) ~~The~~ Plato's allegory of cave
- 14) Women →
- 15) Atma dev

From
 "The glorious sun, ~~leaves~~ ^{waves} of despondence
 wash the shores of mind,
 All darkness
 in the ~~pot~~ ^{path} ~~of~~ ^{of} optimism,
 your strength you shall find, even when you
 you see the world
 when the times are hid, look at the bright
 side.

when the unforgiving mind face the light.
 and ~~you~~ ~~path~~ what seems like -